an>

Title: Need to provide better railway connectivity in Jalore Parliamentary Constituency in Rajasthan.

श्री देवजी एम. पटेल (जालौर): आज से आठ दशक पहले यानि 15 मार्च, 1929 को जालौर में पहली बार रेल दौड़ी थी। आज जालौर जिले की जनसंख्या 20 लाख से ऊपर हो गई है। समदडी, भीलड़ी 223.44 किमी. लंबे इस सेक्सन में अब तक यात्री सुविधाओं का विस्तार नहीं हुआ है। जालौर जिले के लोग अपने व्यवसाय के लिए गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाड़, केरल इत्यादि प्रांतों में रहते हैं। इनका राजस्थान आना-जाना रहता है, परंतु इन प्रवासियों के लिए सीधी रेल सेवा नहीं होने से कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। अहमदाबाद से दक्षिण भारत की ओर चलने जाने वाली सभी ट्रेनों में हमेशा वेटिंग टिकट रहता है इसलिए वर्तमान में जालौर एवं पालनपुर को सीधी रेल सेवा से जोड़ा जाए।

(क) बंगलोरू से जोधपुर वाया समदडी भीलडी

(ख) हैदराबाद से जोधपुर वाया समदडी भीलडी

(ग) कोयम्बटूर से जोधपुर वाया समदडी भीलडी

(घ) चेन्नई से जोधपुर वाया समदडी भीलडी

(ङ) दादर से जोधपुर, बीकानेर एक्सप्रेस 12489-12490 को सप्ताह में प्रत्येक दिन चलाया जाए।

इसी प्रकार जालौर से सिरोही जिला केन्द्र को रेलवे नेटवर्क से जोड़ा जाए। इसके लिए पूर्व सर्वे कार्य भी हो चुका है जिसके तहत सिरोही को जालौर से रेलवे से जोड़े जाने का प्रस्ताव है। लेकिन आज तक यह योजना मूर्तरूप नहीं ले पाई है।